सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 207 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 3 सितम्बर, 2025

मूल्य ₹ 3/-

जब तक आपका शरीर स्वस्थ और नियंत्रण में है और मृत्यु दूर है, अपनी आत्मा को बचाने की कोशिश कीजिये, जब मृत्यु सर पर आ जायेगी तब आप क्या कर पाएंगे?

-चाणक्य

पहले वनडे में इंग्लैंड की करारी... 7 | बिहार में खेल बिगाड़ेंगे छोटे... 3 | भाजपा को सत्ता से बाहर करना ही... 2

राज्यों में बाढ़ से हाहाकार

पंजाब के फंड पर कुंडली मारे बैठी है मोदी सरकार

» फसलें बर्बाद लोगों की जान पर आफत

» हिमाचल में नहीं रुक रहा भूस्खलन, भारी तबाही

» राहुल गांधी ने मांगा बाढ़ प्रभावित राज्यों के लिए केन्द्र सरकार से पैकेज

» आप नेता राघव ने सांसद निधि से भेजे तीन करोड़ रुपये

केन्द्र सरकार नहीं जारी कर रही 60 हजार करोड़ का पंजाब का बकाया फंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के कई राज्य बाढ़ की चपेट में है और सबसे ज्यादा बाढ़ का विकराल रूप पंजाब में देखने को मिल रहा है। पंजाब के सभी 23 जिले बाढ़ प्रभावित घोषित किये गये हैं। साढ़े तीन लाख से ज्यादा लोग सीधे तौर पर बाढ़ की चपेट में हैं।

फसलें पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है बाढ़ का सीधा असर जनजीवन पर पड़ा है। ऐसे में पंजाब सरकार के मुखमंत्री भगवंत मान ने पीएम मोदी पर बड़ा आरोप लगाया है। सीएम मान ने कहा है कि केन्द्र सरकार पंजाब के 60 हजार करोड़ रुपये के बकाया फंड को दबाए बैठी है उन्होंने इसे जारी करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि वह पंजाब का अधिकार मांग रहे हैं न कि भीख।

हालात बेकाबू, सीएम मान ने मांगा बकाया

पंजाब के सभी प्रभावित जिलों में एनडीआरएफ की 23 टीम, सेना, वायुसेना और नौसेना की 12 टुकड़ियां, 2 इंजीनियर टुकड़ियां और 35 हेलीकॉप्टर तैनात किये गये हैं। बीएसएफ सीमावर्ती जिलों में जमीनी सहायता प्रदान कर रही है। राहत सामग्री की आपूर्ति के लिए 114 नाव और एक सरकारी हेलीकॉप्टर को लगाया गया है।

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया और मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अलग अलग बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा किया है। सीएम मान नाव से फिरोजपुर पहुंचे जबकि कटारिया ने फिरोजपुर और तरनतारन का दौरा किया। सीएम मान ने मामूली मुआवजे पर चिंता जताई और केंद्र के राहत मानदंडों में वृद्धि की मांग की। उन्होंने पंजाब के 60,000 करोड़ रुपये के बकाया फंड को जारी करने की मांग दोहराई और कहा कि वह भीख नहीं अधिकार मांग रहे हैं।

राघव चड्ढा भी आगे आए

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने अपने सांसद निधि कोष से पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए 3.25 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। राघव चड्ढा ने गुरदासपुर और अमृतसर के लिए यह राशि देने की घोषणा की है। राघव चड्ढा ने गुरदासपुर जिले में बाढ़ सुरक्षा तटबंधों को मजबूत करने के लिए 2.75 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। इसके अलावा सांसद ने अमृतसर जिले को बाढ़ पीड़ितों के राहत और पुनर्वास के लिए 50 लाख रुपए आवंटित करने की घोषणा की। इस संबंध में उन्होंने दोनों जिलों के डिप्टी कमिश्नर को पत्र भी लिखे है।

केजरीवाल ने भेजी राहत सामग्री

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज बाढ़ राहत की सामग्री लेकर पंजाब जा रहे हैं। दिल्ली से हर रोज बाढ़ राहत सामग्री के ट्रक लेकर आप के नेता विधायक, सांसद और आम लोग पंजाब जाएंगे। वह वहां अपनी सेवाएं भी देंगे। दिल्ली के बहुत सारे आरडब्ल्यूए और व्यापारी अपने-अपने स्तर पर त्रासदी से जूझ रहे पंजाब की मदद कर रहे हैं। आज पूरा देश पंजाब के साथ खड़ा है। एक दिन पहले केजरीवाल ने कहा था कि जो जैसे सेवा कर सकता है उसे वैसे सेवा करनी चाहिए।

राहुल गांधी ने मांगा राहत पैकेज

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बाढ़ प्रभावित राज्य पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के लिए केंद्र सरकार से विशेष राहत पैकेज देने की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में सोशल मीडिया पोस्ट किया और साथ में एक वीडियो भी शेयर किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि इन राज्यों में राहत और बचाव कार्यों को तेज किया जाए, ताकि प्रभावित लोगों को सहायता मिल सके। उन्होंने कहा कि पंजाब में बाढ़ ने भारी नुकसान पहुंचाया है और जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश के साथ ही उत्तराखंड की स्थिति भी गंभीर है। उन्होंने बताया कि हजारों परिवार अपने घर, संपत्ति और अपनों को बचाने के लिए जूझ रहे हैं। सरकार की जिम्मेदारी है कि वह लोगों की रक्षा करे। उन्होंने केंद्र से इन राज्यों, खासकर किसानों के लिए तत्काल राहत पैकेज की घोषणा करने का आग्रह किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लिखा कि पंजाब में बाढ़ ने भयंकर तबाही मचाई है।

हिमाचल में भूस्खलन जारी भारी तबाही

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के सुंदरनगर में हुए भीषण भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई है। इस भूस्खलन के कारण अब तक 6 लोगों की मौत हो गई है। दरअसल मंडी के जंगम बाग बीबीएमबी कॉलोनी में पहाड़ी दरकने से दो घर मलबे की चपेट में आ गए थे जिसमें 6 लोगों की मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य के बाद मलबे से तीन और शव बरामद किए गए हैं। इनमें सुरेंद्र कौर और उनके बेटे गुरप्रीत सिंह शामिल हैं जिनके शव घर के नीचे दबे थे। इन शवों को छत काटकर निकाला गया। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भूस्खलन की घटनाओं पर दुख जताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में लगातार हो रही भारी बारिश और भूस्खलन ने जनजीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। इस त्रासदी में कई लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक-संतप्त परिवारों के साथ हैं। यह हम सभी के लिए अत्यंत पीड़ादायक समय है।

भाजपा को सत्ता से बाहर करना ही देश हित में : अखिलेश यादव

सपा प्रमुख बोले- लोस में भाजपा को किया कमजोर, विस में कर देंगे सत्ता से दूर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । सपा प्रमुख ने फिर तीखे तेवर दिखाते हुए भाजपा को घेरा है। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को कमजोर करने में समाजवादी पार्टी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। 2027 में समाजवादी पार्टी भाजपा को सत्ता से बाहर कर देगी। भाजपा को सत्ता से बाहर करना ही देश हित में है। समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर सामाजिक न्याय के राज की स्थापना होगी।

पीडीए की नीति पर चलकर सबके कल्याण, विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। सबके साथ इंसाफ होगा। वे प्रदेश मुख्यालय पर विभिन्न जिलों से आए उलेमा-ए-इकराम के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर रहे थे । उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव की तरह विधानसभा चुनाव में भी समाजवादी पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं की बड़ी जिम्मेदारी है। लोकतंत्र, संविधान और वोट का अधिकार बचाने के लिए भाजपा से सावधान रहना होगा। भाजपा चुनाव में हर स्तर पर बेईमानी करती है। समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना इकबाल कादरी और प्रदेश अध्यक्ष मो. शकील नदवी, सपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा, राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र चौधरी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

उधर, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मंगलवार को बुनकर मोमिन अंसार एसोसिएशन के अध्यक्ष हाजी उसामा अंसारी ने भेंटकर उन्हें सम्मानित किया।

सरकार की नाकामी की वजह से छात्रों पर लाठी चार्ज

बाराबंकी में रामस्वरूप यूनिवर्सिटी के एलएलबी छात्रों पर पुलिस ने जमकर लाठियां भांजी। मामले ने तूल पकड़ा तो पूरे जिले में अलर्ट घोषित कर दिया गया है। मामले की जांच कमिश्नर-आईजी को सौंपी गई है। पूर्व मुख्यमंत्री और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पुलिस द्वारा छात्र को पीटने का वीडियो एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि यह लाठी चार्ज सरकार की नाकामी और हताशा का प्रतीक है।

समाज में भाईचारे का वातावरण नहीं बिगड़ना चाहिए : मायावती

» योगी सरकार के इस फैसले से खुश हुईं बसपा सुप्रीमो ने मुख्यमंत्री को कहा धन्यवाद

» चंद्रशेखर आजाद ने भी जताई थी आपत्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार के इस फैसले का बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने स्वागत किया और इसके लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया है। बता दें कानपुर के बुद्धा पार्क में शिवालय पार्क बनाने के प्रस्ताव को विवादों के बीच रद्द कर दिया गया है। । बसपा प्रमुख ने कहा कि समाज में भाईचारे का वातावरण नहीं बिगड़ना चाहिए।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर लिखा- कानपुर के प्रसिद्ध बुद्धा पार्क में शिवालय पार्क बनाने का यह अति-विवादित प्रस्ताव रद्द किये जाने की आज मीडिया में ख़बर छपी है, जिसका स्वागत व यूपी सरकार को इसके लिये धन्यवाद भी है। उम्मीद है कि सरकार आगे अन्यत्र कहीं भी ऐसा कोई विवाद खड़ा करने के षडयंत्र को गंभीरता से लेकर इसके विरुद्ध सख्ती करेगी ताकि समाज में शान्ति-व्यवस्था, आपसी भाईचारा एवं सौहार्द का वातावरण बिगड़ने ना पाये। दरअसल पूरा मामला कानपुर में कल्याणपुर के इंद्रानगर में बने बुद्धा पार्क को लेकर है। इस पार्क का निर्माण साल 1997 में मायावती की सरकार में कराया गया था। इस पार्क में प्रयागराज के शिवालय पार्क की तर्ज पर 12 ज्योतिर्लिंगों के स्वरूप को स्थापित करने की तैयारी थी। जिसके बाद इस पार्क को लेकर विवाद हो गया था. बीते दिनों बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी इस प्रस्ताव पर आपत्ति दर्ज कराई थी और इस फैसले का विरोध किया था। उन्होंने एक्स पर कहा कि यहां हर धर्म के लोगों के अपने-अपने पूजास्थल हैं, जिसके तहत ही कानपुर नगर में बुद्ध पार्क स्थित है जो यह बौद्ध धर्म एवं अम्बेडकर अनुयायियों के आस्था का केन्द्र है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि सरकार द्वारा इस बुद्ध पार्क में जो दूसरे धर्म के पूजा स्थल का निर्माण प्रस्तावित है जो कतई भी उचित नहीं है। सरकार को इस फैसले पर रोक लगानी चाहिए। नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने भी इस पर आपत्ति जताते हुए सीएम योगी को चिट्ठी लिखी थी।

मेरे कार्यकाल के समय के सारे पत्र भाजपा सरकार ने किए गायब : भारद्वाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के प्रदेश संयोजक और पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि मंत्री रहते हुए उनकी ओर से भेजे गए सभी पत्र दिल्ली सरकार के सर्वर से गायब कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह बेहद गंभीर मामला है और इसकी जांच कराई जानी चाहिए।

भारद्वाज ने बताया कि वर्ष 2024 में उन्होंने नालों की डिसिल्टिंग का थर्ड पार्टी ऑडिट कराने के आदेश मुख्य सचिव को भेजे थे। इस संबंध में जब उन्होंने आरटीआई लगाई तो मुख्य सचिव कार्यालय ने जवाब दिया कि मंत्री रहते उनका कोई नोट मुख्य सचिव को नहीं मिला। उन्होंने कहा कि अपील की सुनवाई के दौरान जब फाइल मैनेजमेंट सिस्टम में देखा गया तो वहां कोई रिकॉर्ड नहीं था, जबकि मंत्री कार्यालय और मुख्य सचिव कार्यालय के रजिस्टर में इन पत्रों की भौतिक प्रविष्टि मौजूद है। उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री रहते दिए गए आदेश, फाइल नोटिंग और विभागीय अफसरों व मुख्य सचिव को भेजे गए पत्र की सारी ई-मूवमेंट फाइलें सर्वर से गायब हैं। यह हैरान करने वाली बात है, क्योंकि मंत्री कार्यालय से भेजे गए पत्रों की कॉपी और रजिस्टर एंट्री आज भी सुरक्षित हैं। इससे यह पता चलता है कि रिकॉर्ड से छेड़छाड़ हुई है।

ओबीसी मंत्रालय बनाया जाए : अनुप्रिया

क्रीमीलेयर की आय सीमा 15 लाख करने की फिर उठाई मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । अपना दल (एस) के मासिक बैठक में पार्टी की अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने एक बार फिर से ओबीसी क्रीमीलेयर की आय सीमा आठ लाख रुपये से बढ़ाकर 15 लाख करने की मांग उठाई है। साथ ही उन्होंने ओबीसी मंत्रालय के गठन पर भी जोर देते हुए कहा कि पिछड़े समाज का हित राजग सरकार में ही सुरक्षित है।

उन्होंने योगी सरकार द्वारा आउटसोर्सिंग भर्ती के लिए स्वतंत्र निगम का गठन करने के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार के इस फैसले से पार्टी द्वारा लंबे समय से की जा रही आउटसोर्सिंग के पदों की भर्ती में आरक्षण की मांग भी पूरी होगी। राजधानी के विश्वेश्वरैया सभागार में पार्टी की मासिक बैठक में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विपक्षी दल जब सत्ता में रहे तो उन्होंने ओबीसी क्रीमीलेयर की आय सीमा नहीं बढ़ाई।

ओबीसी क्रीमीलेयर की आय सीमा पहले भी राजग सरकार ने ही छह लाख से बढ़ाकर आठ लाख रुपये की थी। अब परिस्थितयों को देखते हुए इसे और बढ़ाया जाना चाहिए। वहीं पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव के लिए बूथ मजबूत करेगी पार्टी पंचायत चुनाव की तैयारी के लिए पार्टी बूथ स्तर तक अपना संगठन मजबूत करेगी। पंचायत चुनाव राजग के साथ लड़ने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि अभी इस पर बात नहीं हुई है। कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि विधानसभा प्रभारी बनाए गए पदाधिकारी अपनी-अपनी विधानसभा की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें। जो कमजोरी है उसे दूर किया जाए।

पिछले दिनों बिहार में राजद नेताओं द्वारा पीएम मोदी के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किए जाने के सवाल अनुप्रिया ने कहा भारत में तो मां की पूजा होती है। राजद नेताओं की टिप्पणी निंदनीय है। पीएम की मां को अपशब्द कहकर राजद नेताओं ने सभी मातृशक्ति के अपमान का पाप किया है, जिसकी सजा विधानसभा में जरूर मिलेगी। उन्होंने कहा कि विपक्ष की यह ओछी राजनीति है और उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

रालोद विधायक-सांसद देंगे एक महीने की सैलरी

» बाढ़ पीड़ितों के लिए बढ़ाया मदद का हाथ, जयंत चौधरी ने किया बड़ा ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एनडीए की सहयोगी दल रालोद ने प्राकृतिक आपदा से प्रभावितों की सहायता के मदद का हाथ बढ़ाया है। इस विपत्ति की घड़ी में मदद का हाथ बढ़ाने की जानकारी खुद राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने सोशल मीडिया के जरिये दी है।

रालोद चीफ केंद्रीय कौशल विकास राज्यमंत्री जयंत चौधरी ने एक्स पर लिखा, राष्ट्रीय लोकदल ने निर्णय लिया है की हमारे सांसद, विधायक एक महीने का वेतन बाढ़ राहत के लिए देंगें। पूरा देश बाढ़ पीड़ितों के लिए जुट रहा है और उनके साथ खड़ा है। आपदाओं के सरकार व देशभर की सामाजिक संस्थाएं प्रभावितों की मदद के लिए आगे आ रही है। आपको बता दें कि इन दिनों देश के कई राज्य बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही की मार झेल रहे हैं, उत्तराखंड के कई जिलों में बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से स्थिति भयावह बनी हुई है, अभी बीते दिनों उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में गौरीकुंड से सोनप्रयाग की तरफ जा रहे यात्रा वाहन पर पहाड़ मलबा गिर जाने की वजह से दो यात्रियों की मौके पर मौत हो गई थी।

बिहार में खेल बिगाड़ेंगे छोटे क्षत्रप

बसपा व आजाद समाज पार्टी ने कसी कमर

- भाजपा व जदयू की नींद उड़ी
- राजद व कांग्रेस ने भी बना ली रणनीति?
- आजाद समाज पार्टी ने फंसाया पेंच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में चुनाव नवंबर होने को हैं। सभी सियासी दल अपनी कमर कस चुके हैं। जहां इंडिया गठबंधन ने वोटर अधिकार रैली के माध्यम से एनडीए सरकार को घेरकर उसकी नींद उड़ा दी है। वहीं बसपा व आजाद समाज पार्टी जैसे दलों ने भी दोनों गठबंधनों को बेचैन करने का मन बना लिया है। अब इन दोनों के बिहार में लड़ने से चुनाव पर क्या असर होते हैं ये तो आने वाले परिणाम बताएंगे। चंद्रशेखर आजाद के कदम से एनडीए को फायदा मिलता है या इंडिया अलायंस को नुकसान! ये देखना दिलचस्प होगा। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सियासी समीकरण तेजी से बदलते नजर आ रहे हैं।

भीम आर्मी प्रमुख और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद अपनी पार्टी को चुनावी मैदान में उतारने का ऐलान कर दिया है पार्टी अब तक बिहार की 100 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है और शेष सीटों पर भी प्रत्याशियों की तलाश जारी है। आजाद समाज पार्टी का फोकस खासकर दलित और मुस्लिम वोटबैंक पर है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि यदि यह समीकरण प्रभावित हुआ तो विपक्षी इंडिया गठबंधन को नुकसान हो सकता है और इसका अप्रत्यक्ष फायदा एनडीए गठबंधन को मिल सकता है। पार्टी की चुनावी रणनीति को मजबूती देने के लिए प्रदेश अध्यक्ष जौहर आजाद के नेतृत्व में एक साइकिल यात्रा निकाली जा रही है, जो 3 सितंबर से 15 सितंबर 2025 तक बिहार के विभिन्न जिलों से गुजरेगी. इस यात्रा का उद्देश्य शोषित और वंचित समाज को एकजुट करना, चंद्रशेखर आजाद की विचारधारा को घर-घर तक पहुँचाना और पार्टी के घोषणापत्र को जनता के बीच पहुंचाना है।

चंद्रशेखर यात्रा से मथेंगे बिहार

तीन सितंबर को भागलपुर (विजयपुर) से शुरुआत होगी, इसके बाद 4 सितंबर को नरकटियागंज, 5 सितंबर को बेतिया में जनसभा, 6 सितंबर को मोतिहारी, 7 सितंबर को मधुबनी, 8 सितंबर को दरभंगा, 9 सितंबर को बेगूसराय, 10 सितंबर को वैशाली, 11 सितंबर को रोहतास, 12 सितंबर को सारण, 13 सितंबर को कटिहार और अररिया, 14 सितंबर को अररिया व गोह और अंतिम पड़ाव 15 सितंबर को नवादा के गोविंदपुर में होगा। इस दौरान पार्टी दलित, पिछड़े, किसान, मजदूर, युवाओं और महिलाओं से संवाद करेगी और उनके मुद्दों को चुनावी एजेंडा बनाएगी. पार्टी का कहना है कि उनकी लड़ाई हाशिये पर खड़े समाज की आवाज़ को विधानसभा तक पहुँचाने की है। बिहार में आजाद समाज पार्टी का सीधा असर किस पर पड़ेगा, यह तो चुनावी नतीजे ही बताएंगे, लेकिन पार्टी की सक्रियता से मुकाबले का गणित जरूर दिलचस्प होता जा रहा है।

यूपी के पैटर्न पर जिला से लेकर पोलिंग बूथ स्तर तक कमेटियों का गठन

बिहार में पार्टी की अपनी तैयारी के साथ-साथ राज्य के तेजी से बदलते राजनीतिक हालात एवं चुनावी समीकरण आदि को देखते हुए बसपा द्वारा चुनाव में बेहतर परिणाम लाने का आश्वासन पार्टी के लोगों ने दिया है। वहीं दूसरी ओर बसपा सुप्रीमो ने इससे पहले उड़ीसा और तेलंगाना राज्य में भी पार्टी संगठन की तैयारियों और वहां भी यूपी के पैटर्न पर जिला से लेकर पोलिंग बूथ स्तर तक कमेटियों के गठन के साथ-साथ पार्टी के जनाधार को बढ़ाने के मिशनरी कार्यों के बाबत दिए लक्ष्यों की भी समीक्षा की।

मायावती की भी रहेगी बिहार चुनाव पर नजर

बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी पार्टी के संयोजक आकाश आनंद, केंद्रीय कोआर्डिनेटर एवं राज्यसभा सांसद रामजी गौतम तथा स्टेट यूनिट को सौंपी है। उन्हें बिहार में अगले महीने होने शुरु होने वाली पार्टी की यात्रा, जनसभा आदि कार्यक्रमों की विशेष जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। ये सभी कार्यक्रम मायावती के दिशा-निर्देश में होंगे। बसपा सुप्रीमो मायावती ने बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशियों के चयन और तैयारियों को लेकर

वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ पिछले दो दिनों के दौरान की गई बैठक में गहन चर्चा व समीक्षा के बाद यह निर्देश दिए। साथ ही बिहार में बसपा द्वारा अकेले अपने बल पर चुनाव लड़ने के फैसले के मद्देनजर आने वाले दिनों में पार्टी के विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा को भी अंतिम रूप दिया। बैठक में पार्टी पदाधिकारियों को सारी कमियों को दूर करके पूरी मुस्तैदी व तन, मन, धन से आगे बढ़ने का निर्देश भी दिया। बसपा सुप्रीमो ने रविवार को जारी अपने बयान में कहा कि बिहार एक बड़ा राज्य है, इस लिए वहां की जरूरतों के दृष्टिगत राज्य की सभी विधानसभा सीटों को तीन जोन में बांटकर पार्टी के वरिष्ठ लोगों को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई है।

एसआईआर और वोट चोरी का मुद्दा बनेगा बड़ा

- कांग्रेस के बाद आप भी उठाएगी मामला
- संजय सिंह ने यूपी पंचायत चुनाव में वोटर लिस्ट पर उठाया सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एसआईआर और वोट चोरी का मुद्दा अब बिहार नहीं पूरे देश में फै ल चुका है। इस मामले को कांग्रेस व राजद के साथ-साथ अन्य पार्टियों ने लपक लिया है। इनमें सबसे आगे आप है। बता दें उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले पंचायत चुनाव होने हैं। सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी तैयारियों में जुटे हुए हैं। इसी क्रम में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाते हुए जोरदार हमला बोल दिया है। संजय सिंह ने कहा कि बीजेपी पंचायत चुनाव से पहले लगभग एक करोड़ वोट कटवाने जा रही है।

उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव से पहले SIR के जरिए एक बड़ा चुनावी घोटाला करने की तैयारी शुरू हो गई है। क्योंकि बीजेपी जनता के बीच अपना आधार खो चुकी है। इसलिए अब वोट चोरी के जरिए चुनाव जीतना चाहती है।

केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ सड़क पर आएं

न्यायालय तक अपनी आवाज पहुंचाइए। सड़क से लेकर संसद और सुप्रीम कोर्ट तक लड़ाई लड़ने को तैयार हो जाइए। क्योंकि यह स्ट्रक्चर उनके वोट के अधिकार को खत्म कर देगा और पूरे देश में जो नारा है, वह अब उत्तर प्रदेश में भी लोगों को लगाना पड़ेगा कि गली-गली में शोर है, मोदी वोट चोर है।

संजय सिंह ने यूपी की जनता से अपील की कि अपने लोकतंत्र और वोट के अधिकार को बचाने के लिए सड़क से संसद तक लड़ाई लड़ने को तैयार हो जाएं। ये वही एसआईआर है, जिस पर पूरा बिहार आंदोलित है और जिसके जरिए महाराष्ट्र और हरियाणा में बीजेपी ने चुनाव जीता और दिल्ली में तो सारी हदें पार कर दी। उन्होंने बताया कि अरविंद केजरीवाल की विधानसभा (नई दिल्ली) में चुनाव शुरू होने से पहले 42,000 वोट काट दिए गए थे। इस तरह दिल्ली की 14 विधानसभाओं में बीजेपी के चंद कार्यकर्ताओं ने हजारों वोट कटवा दिए थे। केंद्रीय मंत्रियों के घरों में फर्जी वोट बनवाए गए थे।

वोटर लिस्ट में घोटाले ही घोटाले

आप सांसद ने कहा कि वोट और वोटर सूची में धोखा देकर वोट चोरी करके चुनाव जीतने का यह खेल अब उत्तर प्रदेश में शुरू होने वाला है। इस बात की चर्चा है कि पंचायत चुनाव से पहले पूरे यूपी में 1 करोड़ वोट काटे जाएंगे। कल्पना कीजिए कि कितना बड़ा घोटाला करने की तैयारी है। संजय सिंह ने प्रदेश की जनता से अपील करते हुए कहा कि अगर लोग अपने राज्य के लोकतंत्र, चुनाव और अपनी पंचायतों को बचाना चाहते हैं तो बाहर निकलकर अपनी आवाज बुलंद कीजिए।

दो-दो वोटर कार्ड पर भिड़े भाजपा-कांग्रेस

राहुल गांधी के वोट चोरी के दावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के बीच चल रहे वाकयुद्ध के बीच भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने मंगलवार को बताया कि कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के पास दो सक्रिय ईपीआईसी नंबर हैं। उनके मुताबिक एक जंगपुरा और नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्रों में है जो क्रमशः पूर्वी दिल्ली और नई दिल्ली लोकसभा सीटों के अंतर्गत आते हैं। मालवीय ने राहुल गांधी पर उनके वोट चोरी के दावों को लेकर हमला बोला और चुनाव आयोग से आग्रह किया कि वह इस बात की जांच करे कि पवन खेड़ा के पास दो सक्रिय ईपीआईसी नंबर कैसे हैं, और क्या उन्होंने कई बार मतदान किया - जो चुनावी कानूनों का स्पष्ट उल्लंघन है। खेड़ा के दो अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता के रूप में पंजीकरण की तस्वीरें साझा करते हुए, भाजपा नेता ने कहा, कांग्रेस एक आदर्श वोट चोर है। इसलिए वे सभी को एक ही ब्रश से कलंकित करना चाहते हैं। मालवीय के दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए पवन खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी बिल्कुल यही कह रही है। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर हम यही सवाल उठा रहे हैं। यह सूची भाजपा नेताओं के साथ-साथ चुनाव आयोग के पास भी उपलब्ध है। खेड़ा ने सवाल किया कि

कांग्रेस बार-बार सूची मांगती है, लेकिन उसे कभी नहीं मिलती। मैं चुनाव आयोग से जानना चाहता हूँ कि नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से मेरे नाम पर किसे वोट डालने के लिए मजबूर किया जा रहा है। मुझे सीसीटीवी फुटेज चाहिए। मैं 2016 में वहाँ से चला गया था। मैंने वहाँ से अपना नाम हटवाने की प्रक्रिया पूरी की। लेकिन मेरा नाम अभी भी वहाँ क्यों है? कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि राहुल गांधी 7 अगस्त से लेकर आज तक इसी बात को चुनौती दे रहे हैं। भारत के हर निर्वाचन क्षेत्र में ऐसे सैकड़ों-हज़ारों नाम हैं। इनका दुरुपयोग किया जा रहा है। एसआईआर के तहत, वे ऐसी गलतियों को वैध ठहरा रहे हैं। इसलिए, हम एसआईआर पर आपत्ति जता रहे हैं क्योंकि यह अभी हो रहा है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

दुनिया को सजग होना होगा?

इस समय भारत में जहां पहाड़ी राज्यों में आफत आई हुई। वह जहां प्रकृति के साथ छेड़छाड़ का नतीजा है। भूकंप व भूखलन पूरीदुनिया को तबाह कर रहे हैं। प्राकृतिक आपदा हमेशा ऐसी उथल-पुथल लेकर आती है जिसमें बड़ी संख्या में जानमाल का नुकसान होता है। अफगानिस्तान में रविवार की रात आए भूकंप ने भी ऊपर से शांत दिखने वाली पृथ्वी के गर्भ में भयावह उथल-पुथल मचाई है। मरने वालों व घायलों की लगातार बढ़ रही संख्या व तबाही को देखते हुए अंदाज लगाया जा सकता है कि यह भूकंप वहां कितनी बड़ी आपदा बन कर आया है। बड़ी बात यह भी कि भूंकप के असर से इमारतें जमींदोज हो गई और इससे जानमाल का नुकसान ज्यादा हुआ। सोते हुए अधिकांश लोगों को बचने का मौका ही नहीं मिल पाया। भूकंप ने वहां जो तबाही मचाई है वह भारत के लिए भी चेतावनी है क्योंकि हमारे यहां भी कई राज्य इस लिहाज से संवेदनशील जोन में हैं। चिंताजनक तथ्य यह है कि दुनिया के किसी न किसी कोने में भूकंप के झटके लगते रहने के बावजूद वैज्ञानिक भूकंप आने को लेकर कोई सटीक भविष्यवाणी नहीं कर पाए हैं। हालांकि वैज्ञानिक इस दिशा में लगातार काम भी कर रहे हैं।

सर्वविदित तथ्य यही है कि विकास की अंधी दौड़ में अनदेखी की पराकाष्ठा ही प्रकृति को कुपित करने की बड़ी वजह है। इसीलिए कभी बाढ़, कभी सूखा तो कभी भूकंप, ग्लेशियरों के पिघलने व सुनामी जैसी आपदाएं सामने आती हैं। बीते सालों में शहरों ही नहीं बल्कि ग्रामीण इलाकों में भी बेतरतीब विकास की होड़ सी मची है। महानगरों में तो आसमान छूती इमारतें खड़ी होने लगी हैं। सीमेंट-कंकरीट की ये इमारतें भूकंपरोधी तकनीक से बनाई जानी चाहिए यह बार-बार कहा जाता रहा है। लेकिन सरकारी इमारतों तक में भूकंपरोधी तकनीक की अनदेखी की जाती है। तमाम अध्ययनों से यह बात सामने आई है कि इमारतों को भूकंपरोधी बनाकर नुकसान से बचा जा सकता है। अफगानिस्तान ही नहीं बल्कि दुनिया के किसी भी कोने में आने वाल भूकंप कई सबक सिखाने वाला होता है। सरकारें ध्यान दें या न दें लोगों को अपने घर बनाने में भी भूकंपरोधी तकनीक का इस्तेमाल शुरू करना चाहिए। जरूरत इस बात की है कि सरकारें इसे बढ़ावा दें। जापान इसका उदाहरण है जहां इमारतें ही इस तरह से बनाई जाती है ताकि भूकंप से नुकसान कम से कम हो। इमारतें भूकंपरोधी बने इतना ही काफी नहीं बल्कि भूकंप आने पर बचाव उपायों को लेकर भी लोगों को जागरुक करना होगा। यह सच है कि मौसम संबंधी पूर्वानुमानों को लेकर वैज्ञानिकों का अध्ययन एक हद तक सही रहने लगा है। भूकंप को लेकर भी ऐसी भविष्यवाणी की जा सके तो आपदा से निपटना और आसान हो सकता है।

चिंताजनक तथ्य यह है कि दुनिया के किसी न किसी कोने में भूकंप के झटके लगते रहने के बावजूद वैज्ञानिक भूकंप आने को लेकर कोई सटीक भविष्यवाणी नहीं कर पाए हैं। हालांकि वैज्ञानिक इस दिशा में लगातार काम भी कर रहे हैं। सर्वविदित तथ्य यही है कि विकास की अंधी दौड़ में अनदेखी की पराकाष्ठा ही प्रकृति को कुपित करने की बड़ी वजह है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चीनी चक्रव्यूह पर अमेरिका की पैनी निगाहें

पुष्परंजन

अमेरिका की अर्थव्यवस्था चाहे भाड़ में जाए, ट्रंप को अपनी कमाई करनी है। डोनाल्ड ट्रम्प ने क्रिप्टो प्रेसिडेंटज् बनने का वादा किया है। इसी सिलसिले में उनके सुपुत्र एरिक ट्रम्प, सोमवार को टोक्यो में जापानी बिटकॉइन ट्रेजरी कंपनी मेटाप्लेनेट के शेयरधारकों की बैठक में शामिल हो रहे हैं। वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल (डब्ल्यूएलएफ) क्रिप्टो करेंसी को देखता है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बताया, कि अगस्त, 2025 में डब्ल्यूएलएफ टोकन का कुल मूल्य 6 बिलियन डॉलर था, और ट्रम्प स्वयं उनमें से दो-तिहाई के मालिक थे। एक दूसरी तस्वीर चीन के बंदरगाह शहर थिएनचिन की थी, जहां शांघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) की बैठक सोमवार को समाप्त हुई है। इस बैठक में डॉलर की वैकल्पिक मौद्रिक अर्थव्यवस्था पर एकबार फिर से जोर दिया गया है। इस बार की एससीओ बैठक का केंद्रीय मुद्दा था, ट्रंप के टैरिफ वॉर का मुकाबला करना। दुश्मन का दुश्मन, दोस्त होता है, इसी फार्मूले पर वो नेता भी पधारे, जिन्हें एक-दूसरे की शक्ल तक देखना काबिले बर्दाश्त नहीं।

इस संगठन की स्थापना 2001 में यूरेशियन सुरक्षा समूह के रूप में हुई थी, जिसके छह मूल सदस्य थे-चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान। बाद के दिनों में इसका नामांतरण शांघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) के रूप में हुआ, जिसमें बेलारूस, भारत, ईरान और पाकिस्तान के जुड़ने के साथ, इसके 10 सदस्य देश हो गए। एससीओ को पश्चिमी देशों के एशियाई प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखा जाता है। इस बार की बैठक में बहुपक्षीय विकास पर जोर दिया गया। लेकिन ध्यान से देखा जाये, तो चीन और रूस यह सारी कवायद अपनी अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए कर रहे हैं। पिछले साल शांघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्यों के साथ चीन का व्यापार रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया, कुल मिलाकर लगभग 512.4 अरब अमेरिकी डॉलर, जो साल-दर-साल 2.7 प्रतिशत की वृद्धि है। यह आंकड़ा 2018 में किंगदाओ में हुए एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान दर्ज किए गए आंकड़ों से दोगुना है।

चीनी वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले साल चीन ने अन्य सदस्य देशों से लगभग 90 अरब डॉलर मूल्य का कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और कोयला आयात किया था। विशेषज्ञों का कहना है कि इस बैठक की बिना पर एससीओ सदस्य आर्थिक और व्यापारिक संबंधों

को मजबूत करने की कोशिश कर सकते हैं। संगठन द्वारा अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी नेतृत्व वाले वित्तीय संस्थानों से अलग भुगतान प्रणालियों और मुद्राओं के व्यापक उपयोग पर जोर दिए जाने की संभावना है। किन्तु, सवाल है, किस मुद्रा का उपयोग? केवल चीनी युआन और रूसी रूबल को भुगतान के लिए इस्तेमाल में लिया जाये, या भारतीय मुद्रा की भी कोई हैसियत होगी? लेकिन सवाल है, क्या सभी सदस्यों को सामान अवसर मिलेंगे? चीन का फोकस, बेल्ट-रोड इनिशिएटिव को और आगे बढ़ाना है। पुतिन, यूक्रेन में शांति के सवाल पर एससीओ सदस्य देशों से अपनी रणनीति साझा करेंगे, इतना उन्होंने आश्वासन दिया। ट्रम्प के टैरिफ युद्ध का समवेत मुकाबला कैसे करना है, अभी उस पर कोई ठोस कार्यक्रम बनता नहीं दिख रहा है। शिखर सम्मेलन में सदस्य देश, एससीओ के संवाद सहयोगी और पर्यवेक्षकों के अलावा 20 विश्व नेता इंडोनेशिया, मलेशिया, मंगोलिया, मिस्र और तुर्की के राष्ट्राध्यक्ष भी शामिल थे। लेकिन, इतने जमावड़े के बावजूद टैरिफ से मुकाबले के सवाल पर मुट्ठी नहीं खोली गई। रविवार को चीन-भारत राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ का उल्लेख करते हुए, शी ने मोदी से मुखातिब होकर कहा, कि दोनों एशियाई पड़ोसियों को अपने सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए, और सीमा मुद्दे को समग्र चीन-भारत संबंधों को परिभाषित नहीं करने देना चाहिए। एससीओ बैठक में शी और मोदी के बीच मेल मिलाप को देखकर हम कह सकते हैं, कि हिन्द प्रशांत में अब चीन-भारत के बीच टकराव की स्थिति नहीं रहेगी। ट्रंप ने टैरिफ वार में भारत जैसे मित्र को हिन्द-प्रशांत में खोया है, यह अमेरिकी रणनीतिकार भी महसूस कर रहे हैं। अमेरिका-ताइवान के संयुक्त हथियार उत्पादन से हिन्द-प्रशांत एक बार फिर से उथल-पुथल वाली स्थिति में होगा।

लेकिन, भारत का कन्धा इस्तेमाल के बगैर इस इलाके में क्या परिदृश्य उपस्थित होता है, वह दिलचस्पी का विषय होगा। सोमवार को 18 पेज के एससीओ घोषणापत्र में अमेरिका और इजराइल तक को नहीं बख्शा गया। सदस्य देशों के शासन प्रमुखों द्वारा हस्ताक्षरित घोषणा पत्र में 11 मार्च को जफर एक्सप्रेस, 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम आतंकी हमले, और 21 मई, 2025 को पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में स्थित खुजदार में एक स्कूल बस पर आत्मघाती बम विस्फोट की निंदा की गई।

हिमालयी पारिस्थितिकी के अनुकूल बनें विकास योजनाएं

वीरेंद्र कुमार पैन्यूली

बीते पांच अगस्त को हरसिल और गंगोत्री के बीच खीरगंगा नदी के जलग्रहण क्षेत्र में बादल फटने से अचानक आई तेज बाढ़ और भारी मलबे ने धराली में तबाही मचाई। इस आपदा ने दर्जनों मकान, होटल और दुकानें नष्ट कर दीं, कई लोग मृत और अनगिनत लोग लापता हो गए। हरसिल में भी बाढ़ के कारण ग्यारह जवान लापता हैं। सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और आईटीबीपी द्वारा बचाव कार्य जारी हैं। शीतकालीन पर्यटन से जुड़े इस क्षेत्र का मार्ग बाधित हो गया है। पारंपरिक नदी मार्गों में पत्थर, मिट्टी और मलबे के अवरोध से बाढ़ का प्रवाह दिशा बदल गया, जिससे त्रासदी और भी गंभीर हुई। उत्तरकाशी और गंगोत्री के बीच स्थित धराली क्षेत्र उत्तरकाशी के पर्यावरणीय संवेदनशील क्षेत्र में आता है। हाल ही में यमुनोत्री मार्ग पर स्याना चट्टी में बादल फटने से गंभीर हादसा भी हुआ।

ऐसे नाजुक और सामरिक क्षेत्रों में खनन, सड़क निर्माण, जलाशय और सुरंग निर्माण तथा औद्योगिकीकरण के कार्यों में सरकारों और जनता को आत्म-नियंत्रण बरतना चाहिए। पर्यावरण हितैषी तकनीकें अपनानी जरूरी हैं। उत्तरकाशी जिले में लगातार विभिन्न आपदाओं का सामना करना पड़ता रहा है जैसे सिलक्यारा सुरंग दुर्घटना व भयावह उत्तरकाशी भूकंप। मनेरी भाली परियोजना के पास झीलें बनती रहीं और भटवाड़ी के धंसने की घटनाएं भी नई नहीं। भटवाड़ी ब्लॉक में ही धराली आता है। गोमुख से लेकर उत्तरकाशी मुख्यालय और चिन्याली सौड़ तक का क्षेत्र बीते दो दशकों से लगातार आपदाओं से ग्रस्त है। यहां गंभीर भूस्खलन, बाढ़ें और तबाही बार-बार होती रही हैं। खासकर उत्तरकाशी में वरुणावर्त पहाड़ अपने भूस्खलनों से 2003 से लोगों को भयभीत कर रहा है। क्षेत्र के पहाड़ 1990 के तीव्र भूकंप से पहले से ही कमजोर हैं, जबकि 4 -4.5 तीव्रता के भूकंप नियमित आते रहते हैं। इस दौरान उत्तरकाशी और आसपास के पुल टूटते रहे हैं, जिससे कई गांव कई दिन तक अलग-थलग पड़ जाते हैं।

वर्ष 2010 से इस पूरे क्षेत्र में लगातार बादल फटने और फ्लैश फ्लड की घटनाएं हो रही हैं। चट्टानें गिरने से जान-माल का भारी नुकसान हो रहा है, गांव ध्वस्त हो रहे हैं और उन्हें पुन: बसाने की आवश्यकता सामान्य सी बात हो गई है। गंगोत्री और गोमुख का संकट व्यापक रूप से ज्ञात है, जबकि भटवाड़ी और अस्सी गंगा के क्षेत्र भी ऐसे ही संवेदनशील हैं, जहां पैदल चलना भी कठिन हो जाता है। निस्संदेह, यह क्षेत्र पर्यावरणीय दृष्टि से नाजुक है। 2017 में उत्तरकाशी जिला मुख्यालय में पंद्रह गांवों की प्रतिनिधि महिलाएं इसी इकोसेंसिटिव क्षेत्र में काटे जाने के लिए चिन्हित पेड़ बचाने के लिए संकल्पबद्ध हुई थीं। इस क्षेत्र में 1990 में हुए भयावह विनाश के बाद कहा गया था कि अब सारे मकान, भवन आदि भूकंप-रोधी बनाए जाएंगे। सुरंगें नहीं बनाई जाएंगी। किन्तु आज भी आप सरकारी स्तर पर भूकंप-रोधी निर्माण या नदी तटों के समीप बसावटों को रोकने में गंभीरता शायद ही पाएंगे।

महत्वाकांक्षी चारधाम परियोजना उत्तरकाशी इकोसेंसिटिव क्षेत्र से ही बनती है। प्रधानमंत्री ने साल 2016 में इसकी आधारशिला रखी। बिना पर्यावरण प्रभाव आकलन के इस सड़क पर काम शुरू किया गया था। तब एनजीटी में चुनौती दी गई थी। उच्चतम न्यायालय में भी मामला पहुंचा था । स्मरण रहे कि चारधाम राजमार्ग पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित हाई पॉवर कमेटी के चेयरमैन ने पर्यावरण मंत्रालय के सचिव को 13 अगस्त 2020 को एक पत्र लिखा था कि इस परियोजना में वन्यजीव व वानिकी के नियमों की बेहद गंभीर अवहेलना व उल्लंघन हुआ है। इन कृत्यों ने हिमालयी पारिस्थितिकी को बेतहाशा नुकसान पहुंचाया है। साल 2017-18 में इस परियोजना पर तब बिना वन विभाग की अनुमति के ही काम शुरू हुआ था। अनुमति काम शुरू होने के बाद पिछली तारीख से दी गई थी। इसी प्रकार अलग-अलग खंडों में बिना अनुमति पेड़ों व पहाड़ों का कटान व मलबे का जमावड़ा किया गया। एक संयुक्त पत्र में कुछ प्रमुख लोगों ने भी अगस्त 2020 में प्रधानमंत्री को लिखा था कि उत्तराखंड में बारहमासी चारधाम मार्ग के निर्माण के दौरान गंगा हिमालयी बेसिन को गंभीर पर्यावरणीय हानि हो रही है। उन्होंने अवैध तरीके से निर्माण के भी संकेत दिए थे। आज की इन दुर्भाग्यपूर्ण आपदाओं को इस परिप्रेक्ष्य में भी देखा जाना चाहिए। इस यथार्थ को अतिशीघ्र स्वीकार कर लिया जाना चाहिये कि गौमुख से उत्तरकाशी तक इकोसेंसिटिव क्षेत्र के नियमों का पालन करना ही होगा और पर्यावरण सम्मत विकास की दिशा में ही आगे बढ़ना होगा।

भारत सरकार का दिसंबर 2012 का भागीरथी पारिस्थितिकी संवेदनशील अधिसूचना के गजट में भी कहा गया था कि क्षेत्र के विकास के लिए राज्य सरकार दो साल के भीतर जनता से विशेष रूप से महिलाओं के परामर्श से आंचलिक महायोजना बनाएगी, और इसका अनुमोदन पर्यावरण और वन मंत्रालय, केंद्र सरकार से कराएगी। किन्तु 2014 तक जोनल प्लान बनाने के लिए उसने महिलाओं या आमजन को साथ नहीं लिया। हर बार धराली जैसी आपदाओं के बाद संपादकीयों में में उत्तराखंड के संदर्भ में यह जरूर कहा जाता है कि राज्य में अनियोजित विकास, बेतहाशा पेड़ कटान व जनसंख्या दबावों से ये आपदाएं आ रही हैं, परंतु शायद ही मीडिया सरकारों को इकोलॉजी और इकोनॉमिक्स में संतुलन बनाने के दावों को लेकर चुनौती देता है। जो स्थानीय जन अपने ढंग से सुरक्षित जीवन जीना चाहते हैं, उनको भी पहाड़ों को सपाट करने की होड़ में जोखिम में डाला जा रहा है। पर्यावरण की बात करने वालों को विकास विरोधी कह दिया जाता है। निस्संदेह इकोसेंसिटिव जोनों की आधिकारिक घोषणाओं से राज्य सरकारों के खनन, जलविद्युत परियोजनाएं, राजमार्ग निर्माण आदि के प्रतिबंधों से राजस्व जरूर कम हो जाता है।

डाइट में शामिल करें ये चीजें

55 की उम्र में भी दिखेंगे जवां

बढ़ती उम्र के साथ शरीर में ऊर्जा का स्तर बनाए रखना, त्वचा की प्राकृतिक चमक बरकरार रखना और समग्र स्वास्थ्य को उत्तम रखना एक बड़ी चुनौती बन सकती है। अक्सर लोग सोचते हैं कि 50 के बाद ढलती उम्र के संकेत स्वाभाविक हैं, जो सच भी है, लेकिन अगर सही खानपान और एक संतुलित जीवनशैली अपनाकर जिया जाए तो आप 55 की उम्र में भी जवां और ऊर्जावान दिख सकते हैं। यह सिर्फ बाहरी सुंदरता की बात नहीं है, बल्कि अंदरूनी स्वास्थ्य को भी बनाए रखने की है। कुछ ऐसे विशेष खाद्य पदार्थ हैं, जो प्रकृति का वरदान हैं। ये न सिर्फ हमारे शरीर को पोषण देते हैं, बल्कि हमें स्वस्थ्य और हेल्दी भी रखते हैं। ये खाद्य पदार्थ एंटीऑक्सिडेंट्स, विटामिन्स और जरूरी खनिजों से भरपूर होते हैं, जो हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। ऐसे ही ये कुछ खाद्य पदार्थ हैं, जिन्हें अपनी डाइट में शामिल करके लंबे समय तक जवां और स्वस्थ रह सकते हैं।

बादाम और नट्स

बादाम, अखरोट, और काजू जैसे नट्स विटामिन ई, ओमेगा-3 फैटी एसिड, और मैग्नीशियम से भरपूर होते हैं। ये त्वचा को नमी प्रदान करते हैं, झुर्रियों को कम करते हैं, और हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं। रोजाना सीमित मात्रा में बादाम और नट्स खाने से त्वचा में चमक आती है और मस्तिष्क की कार्यक्षमता बढ़ती है।

एवोकाडो

एवोकाडो हेल्दी फैट, विटामिन ई और पोटेशियम का बेहतरीन स्रोत है। यह त्वचा को हाइड्रेट करता है, झुर्रियों को कम करता है, और हृदय स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। एवोकाडो में मौजूद मोनोअनसैचुरेटेड फैट्स कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करते हैं। इसे सलाद, टोस्ट, या स्मूदी में शामिल करें। विशेषज्ञों के अनुसार, सप्ताह में 2-3 बार आधा एवोकाडो खाना पर्याप्त है।

बेरीज

स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी, और रास्पबेरी जैसे बेरीज एंटीऑक्सिडेंट्स और विटामिन सी से भरपूर होते हैं, जो त्वचा को जवां रखने में मदद करते हैं। ये कोलेजन उत्पादन को बढ़ाते हैं, जिससे त्वचा लचीली और चमकदार रहती है। बेरीज में मौजूद फ्लेवोनॉइड्स मस्तिष्क स्वास्थ्य को हेल्दी रखने में मदद करते हैं। इन्हें नाश्ते में दही के साथ या स्मूदी के साथ ले सकते हैं।

यह भी करें

इन खाद्य पदार्थों के साथ-साथ जीवनशैली में भी बदलाव जरूरी हैं। रोजाना 7-8 घंटे की नींद लें, क्योंकि नींद त्वचा और संपूर्ण स्वास्थ्य को हेल्दी रखने में मदद करती है। पर्याप्त पानी (8-10 गिलास) पिएं, ताकि त्वचा हाइड्रेट रहे। योग, ध्यान, या 30 मिनट की सैर जैसे व्यायाम मांसपेशियों और हड्डियों को मजबूत करते हैं। प्रोसेस्ड फूड, चीनी, और तले हुए खाद्य पदार्थों से परहेज करें। धूम्रपान और शराब से दूरी बनाएं।

हरी पत्तेदार सब्जियां

पालक, केल, और मेथी जैसी हरी सब्जियां एंटीऑक्सिडेंट्स, विटामिन ए, C, और K का खजाना हैं। ये उम्र बढ़ने के लक्षणों जैसे झुर्रियां और काले धब्बों को कम करती हैं। पालक में मौजूद ल्यूटिन आंखों की रोशनी को बनाए रखता है, जबकि कैल्शियम हड्डियों को मजबूत करता है। इन्हें सलाद, सूप, या जूस के रूप में डाइट में शामिल कर सकते हैं।

हंसना मना है

लड़की वाले - हमारी लड़की तो गाय है जी? बाबुजी - मतलब इतनी शरीफ है? लड़की वाले - नहीं, मतलब चरती रहती है दिनभर.. कभी गोलगप्पे, कभी चाट, कभी पिज्ज़ा!

टीचर- A B C D सुनाओ, संता - A B C D, टीचर- और सुनाओ.. संता- और सब बढ़िया, आप सुनाओ!

टीचर- कौनसा पंछी सबसे तेज उड़ता है? स्टूडेट- सर, हाथी। टीचर- नालायक, तेरा बाप क्या करता है? स्टूडेट- दाउद के गैंग में शूटर है। टीचर- शाबाश। टीचर-लिखो बच्चो हाथी।

टीचर- बच्चों, वादा करो कि कभी शराब, सिगरेट नहीं पिओगे। बच्चे- नहीं पीएंगे। टीचर-कभी लड़कियों का पीछा नहीं करोगे! बच्चे-नहीं करेंगे। टीचर- लड़कियों से दोस्ती नहीं करोगे! बच्चे- नहीं करेंगे। टीचर - वतन के लिए जान दे दोगे! बच्चे- दे देंगे, ऐसी जिन्दगी का करेंगे भी क्या!

टीचर- राजू तुम किसलिए कॉलेज आते हो। छात्र- विद्या के लिए सर। टीचर- तो आज तुम सो क्यों रहे हो। छात्र - आज विद्या नहीं आई है सर!

कहानी | क्या भगवान का अस्तित्व है?

एक व्यक्ति नाई की दुकान पर बाल कटवाने गया। नाई और व्यक्ति के बीच में बातें करते-करते भगवान के विषय पर होने लगीं। नाई ने कहा कि मैं भगवान के अस्तित्व को नहीं मानता और इसीलिए तुम मुझे नास्तिक भी कह सकते हो। ऐसा क्यों व्यक्ति ने पूछा। नाई ने कहा कि बाहर जब तुम सड़क पर जाओगे तो तुम समझ जाओगे कि भगवान का अस्तित्व नहीं है। अगर भगवान होते, तो क्या इतने सारे लोग भूखे मरते? क्या इतने सारे लोग बीमार होते? क्या दुनिया में इतनी हिंसा होती? क्या कष्ट या पीड़ा होती? मैं ऐसे निर्दयी ईश्वर की कल्पना नहीं कर सकता जो इन सब की अनुमति दे। व्यक्ति ने थोड़ा सोचा लेकिन वह वाद-विवाद नहीं करना चाहता था इसलिए चुप रहा और नाई की बातें सुनता रहा। नाई ने अपना काम खत्म किया और वह व्यक्ति नाई को पैसे देकर दुकान से बाहर आ गया। वह जैसे ही नाई की दुकान से निकला, उसने सड़क पर एक लम्बे-घने बालों वाले एक व्यक्ति को देखा जिसकी दाढ़ी भी बढ़ी हुई थी और ऐसा लगता था शायद उसने कई महीनों तक अपने बाल नहीं कटवाए थे। वह व्यक्ति वापस मुड़कर नाई की दुकान में दुबारा घुसा और उसने नाई से कहा कि क्या तुम्हें पता है? नाइयों का अस्तित्व नहीं होता। नाई ने कहा कि तुम कैसी बेकार बातें कर रहे हो? क्या तुम्हें मैं दिखाई नहीं दे रहा? मैं यहां हूं और मैं एक नाई हूं। और मैंने अभी अभी तुम्हारे बाल काटे है। व्यक्ति ने कहा कि नहीं! नाई नहीं होते हैं। अगर होते तो क्या बाहर उस व्यक्ति के जैसे कोई भी लम्बे बाल व बढ़ी हुई दाढ़ी वाला होता? नाई ने कहा कि अगर वह व्यक्ति किसी नाई के पास बाल कटवाने जाएगा ही नहीं तो नाई कैसे उसके बाल काटेगा? व्यक्ति ने कहा कि तुम बिल्कुल सही कह रहे हो, यही बात है। भगवान भी होते है लेकिन कुछ लोग भगवान पर विश्वास ही नहीं करते तो भगवान उनकी मदद कैसे करेंगे। विश्वास ही सत्य है! अगर भगवान पर विश्वास करते हैं तो हमें हर पल उनकी अनुभूति होती है। और अगर हम विश्वास नहीं करते तो हमारे लिए उनका कोई अस्तित्व नहीं।

7 अंतर खोजें

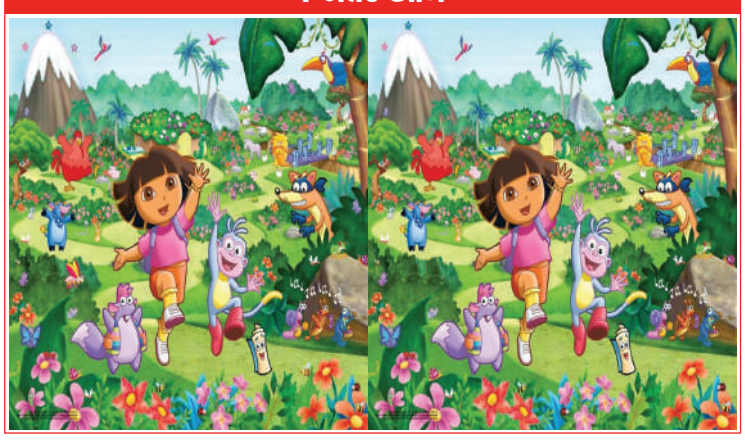

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष कम प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृषभ दुष्टजनों से सावधान रहें, हानि पहुंचा सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कहीं से बुरी खबर मिल सकती है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। लाभ होगा।

मिथुन जल्दबाजी में कोई भी लेन-देन न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। फालतू खर्च होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

कर्क भाग्य का साथ मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। चिंता तथा तनाव में वृद्धि होगी।

सिंह शत्रु शांत रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

कन्या संतान पक्ष से स्वास्थ्य तथा अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यशैली में परिवर्तन करना पड़ सकता है।

तुला थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

वृश्चिक कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल बनेंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में हड़बड़ी न करें। विवाद हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी।

धनु कानूनी बाधा संभव है। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धनहानि किसी भी तरह हो सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

मकर कोई ऐसा कार्य न करें जिससे अपमान हो। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं।

कुम्भ आंखों को रोग व चोट से बचाएं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। मनोरंजक यात्रा की आयोजना हो सकती है। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

मीन आज भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। भागदौड़ रहेगी। जोखिम न लें। कष्ट, भय, चिंता तथा तनाव का वातावरण बन सकता है।

फिल्म 'लव इन वियतनाम' ने रचा इतिहास

हिंदी फिल्मों का क्रेज दुनिया के कई देशों की तरह चीन में भी है। चीन में कुछ हिंदी फिल्मों में जमकर बिजनेस किया है। बॉलीवुड में तो एक मूवी ऐसी भी है, जिसनें चीन की वजह से कमाई के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। वहीं इसी बीच अवनीत कौर और शांतनु मिश्रा की फिल्म लव इन वियतनाम ने इतिहास रच दिया है। यह चीन में 10,000 स्क्रीन्स पर रिलीज होने वाली पहली भारतीय फिल्म बनेगी।

वहीं इस बड़ी उपलब्धि पर बात करते हुए फिल्म के डायरेक्टर राहत शाह काजमी ने कहा, लव इन वियतनाम एक ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है। हमने इस फिल्म में अपना दिल और आत्मा लगा दी है और यह वास्तव में गर्व की बात है क्योंकि हमने भारत में

रिलीज से पहले ही चीन में 10,000 स्क्रीन हासिल करके इतिहास रच दिया है। इस फिल्म में एक्ट्रेस अवनीत कौर, शांतनु माहेश्वरी के अलावा वियतनामी एक्ट्रेस खा नागन भी लीड रोल में हैं। वहीं फरीदा जलाल, गुलशन ग्रोवर, राज बब्बर जैसे दिग्गज कलाकार भी नजर आएंगे। इसके अलावा पंजाब और वियतनाम की खूबसूरत लोकेशन भी फिल्म में दिखाई गई है।

ओमांग कुमार, कैप्टन राहुल बाली की प्रोड्यूस की गई और राहत शाह काजमी के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म 12 सितंबर 2025 को देशभर में रिलीज होगी। इसके अलावा चीन में यह फिल्म क्रिसमस 2025 के दौरान 10,000 स्क्रीन्स पर रिलीज होगी।

लव इन वियतनाम के ट्रेलर के मुताबिक ये कहानी पंजाब से शुरू होकर वियतनाम तक पहुंचती है। एक लड़का (शांतनु माहेश्वरी) और लड़की (अवनीत कौर) बचपन से एक दूसरे को जानते हैं। दोनों के बीच प्यार होता है और दोनों शादी के सपने देखते है। लेकिन लड़के का पिता उसे वियतनाम भेज देते हैं। वहां पहुंचकर उसे एक लड़की (खा नागन) से प्यार हो जाता है। लेकिन असल में वह उससे मिला भी नहीं है। अब इस स्टोरी में किसका प्यार मुक्कमल होता है, ये फिल्म में दिखाया जाएगा।

हरनाज कौर संधू ने अपने हॉट मूव्स से मचा दिया धमाल

बागी 4 का एक और गाना ये मेरा हुस्न रिलीज हो चुका है। साजिद नाडियाडवाला और टाइगर श्रॉफ की एक्शन फिल्म के इस गाने में हरनाज कौर संधू ने अपने हॉट मूव्स से धमाल मचा दिया है।

टाइगर श्रॉफ ने अपनी आगामी फिल्म बागी 4 के गाने ये मेरा हुस्न को इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, हर धड़कन के साथ जोश बढ़ाएं #YehMeraHusn अभी रिलीज। एडवांस बुकिंग अभी शुरू। यह फिल्म 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बागी 4 का एक और गाना ये मेरा हुस्न रिलीज

हरनाज संधू ने बागी 4 के गाने ये मेरा हुस्न में अपने पहले कभी न देखे

गए बोल्ड और ग्लैमरस अवतार से सभी को हैरान कर दिया है। सुनहरी रेत और समुद्र की लहरों में फिल्माए गए इस गाने में हरनाज ने बॉस्को मार्टिस की शानदार कोरियोग्राफी पर धमाकेदार परफॉर्मेंस दी है। गाने को शिल्पा राव की मखमली आवाज, तनिष्क बागची के संगीत और समीर अंजान के बोलों ने और भी आकर्षक बनाया है। इस गाने में संजय दत्त और टाइगर श्रॉफ भी अपने दमदार अंदाज में नजर आए, जिससे दर्शकों का उत्साह और बढ़ गया है।

एक फैन ने लिखा,मुझे यकीन नहीं हो रहा कि यह उनकी पहली बॉलीवुड फिल्म है... क्या स्क्रीन प्रेजेंस है, एक फैन ने इस गाने को फिल्म पठान के गाने से कंपेयर किया और लिखा, बेशरम रंग 2 ।0, एक और फैन ने लिखा, पठान 2 का नया गाना, एक और फैन ने लिखा, बेशरम रंग की वाइब आ रही है।

साजिद नाडियाडवाला द्वारा लिखित और ए। हर्ष द्वारा निर्देशित बागी 4 एक एक्शन से भरपूर फिल्म है, जिसमें जबरदस्त ड्रामा, रोमांच और एक्शन का तड़का देखने को मिलेगा। यह साजिद नाडियाडवाला के बैनर एनजीई की पहली ए-रेटेड फिल्म है। यह 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। बागी 4 में टाइगर श्रॉफ, सोनम बाजवा, हरनाज संधू और संजय दत्त मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

बॉलीवुड | विवाद

फिर विवादों में फंसे संजय लीला भंसाली

फिल्म जगत से जुड़ी एक बड़ी और सनसनीखेज खबर बीकानेर से सामने आई है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मशहूर फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली एफआईआर दर्ज की गई है। भंसाली की कंपनी भंसाली प्रोडक्शन्स, प्रोडक्शन मैनेजर उत्कर्ष बाली और अरविंद गिल के खिलाफ भी गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज हुई है। बीछवाल थाने में दर्ज यह मामला भंसाली की बहुचर्चित फिल्म लव एण्ड वार की शूटिंग से जुड़ा है। एफआईआर में धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, धमकी और संगठित षड्यंत्र जैसे संगीन आरोप शामिल किए गए हैं। यह शिकायत राधा फिल्म्स एंड हॉस्पिटैलिटी के सीईओ और लाइन प्रोड्यूसर प्रतीक राज माथुर ने दर्ज करवाई। उनका आरोप है कि फिल्म के प्रोडक्शन में नियुक्ति प्रकि या और सुरक्षा इंतज़ाम को लेकर धोखाधड़ी की गई है। आरोप है कि फिल्म लव एण्ड वार की शूटिंग के दौरान नियुक्ति और सुरक्षा इंतज़ाम को लेकर धोखा किया गया। इसके अलावा 17 अगस्त 2025 को निजी सुरक्षा कर्मियों द्वारा दुर्व्यवहार और धमकी देने की घटना का भी जिक एफआईआर में दर्ज है। फिलहाल भंसाली या उनकी टीम की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। गौरतलब है कि राजस्थान में भंसाली लंबे समय बाद शूटिंग करने आए थे। इससे पहले उनकी फिल्म पद्मावत की शूटिंग को लेकर भी विवाद खड़ा हुआ था। अब एक बार फिर संजय लीला भंसाली और उनकी टीम राजस्थान में विवादों में घिर गए हैं।

7 लाख किमी का है समुद्र का बदनाम इलाका, जहां उड़ते विमान हो जाते थे गायब

7 लाख वर्ग किलोमीटर का समुद्री इलाका, सदियों से कई रहस्य अपने अंदर समेटे है। यहां जाने वाला हर जहाज डूब जाता है। यहां के ऊपर से गुजरने वाला विमान रहस्यमयी तरह से गायब होता रहा है। उत्तरी अटलांटिक महासागर में फ्लोरिडा के पास मियामी, बरमूडा और प्यूर्टोरिको के बीच का यह त्रिकोणीय इलाका कई कहानियों का कारण है। लोग इस इलाके में होने वाले हादसों को किस आसमानी ताकत से जोड़ते हैं तो किसी तरह के शाप या अन्य रहस्य से। लंबे समय से वैज्ञानिकों के लिए भी यह एक रहस्य ही बनाहुआ है। पर वैज्ञानिकों ने यहां होने वाले हादसों की व्याख्या कर ली है, ऐसा दावा किया जा रहा है। उनका कहना है की इन हादसों के पीछे की वजह कुदरती और पूरी तरह से वैज्ञानिक हैं। बरमूडा ट्रायएंगल 20 सदी के दौरान हुए बहुत सारे हादसों की वजह से चर्चा में आया था। यह एक बहुत ही व्यस्त इलाकों में है। फिर भी रहस्यम तरीके से गायब होने वाले जहाजों और उसके ऊपर उड़े हवाई जहाजों की कहानियों ने कई किवदंतियों को जन्म दिया। कई अधूरी या बिना किसी नतीजे पर पहुंचीं जांचों ने इन किवदंतियों और तमाम तरह के अलौलिक दावों को हवा दी। जिसके बाद से यह रहस्यमयी जगह बनी हुई थी। साउथैम्पटन यूनिवर्सिटी के ओसियोनोग्राफर, डॉ सिमन बॉक्सल का कहना है कि तमाम समुद्री दुर्घटनाओं के पीछे रोग वेव्य यानी दुष्ट लहर या तरंगें हैं। ये समुद्र में बनने वाली बहुत ही बड़ी लहर होती है जिनकी चपेट में बड़े से बड़े जहाज आसानी से आ जाते हैं। ये लहरें पानी की बहुत ज्यादा बड़ी दीवार खड़ी कर देती हैं और बहुत विनाशकारी साबित होती है। अजीब बात ये है कि वैज्ञानिकों ने इस तरह की लहरों को पहचानना केवल 1990 के दशक में ही शुरू किया था। सैटेलाइट आंकड़ों ने भी इनकी खतरनाक मौजूदगी की पुष्टि की है। बॉक्सल और उनकी टीम ने इन लहरों का सिम्यूलेशन बना कर यह पता लगाने की कोशिश की कि उन्होंने अब तक की रहस्यमयी तरीके से गायब हुए जहाजों को कैसे नष्ट किया होगा और सारे सबूतों सहित उन्हें निगल लिया होगा। वैज्ञानिकों का कहना है कि इन लहरों का असर केवल समुद्र तक नहीं बल्कि आसमान तक पहुंचता था। इन विशाल लहरों की वजह से वायुमंडल में तेज हवाएं ऊपर से नीचे और नीचे की ओर चल सकती हैं। जिससे विमानों के लिए अभूतपूर्व हलचल पैदा हो जाती है। यही वजह है कि निचली ऊंचाई पर उड़ने वाले विमान यहां से ज्यादा गायब होते दिखे हैं।

अजब-गजब | इस पक्षी का करतब जानकर खुली रह जाएंगी आंखें!

जहां पानी नहीं होता वहां रहता है ये पक्षी फिर भी रोज करता है असंभव को संभव

विंध्य पर्वत की विशाल श्रृंखला में बसे नौरादेही टाइगर रिजर्व में दुर्लभी जीव भी हैं। यह रिजर्व टाइगर, तेंदुआ, भेड़िया, नीलगाय और चीतल जैसे शानदार वन्यजीवों का घर है, जहां हर कोना जीवन की जीवंतता से भरा पड़ा है। लेकिन, यहां की असली खासियत पक्षियों की दुनिया है। खासकर वह दुर्लभ सैंड ग्राउस पक्षी जो अपने बच्चों की प्यास बुझाने के लिए अनोखा तरीका अपनाता है। रिजर्व में 92 प्रकार के पेड़, 49 प्रकार की झाड़ियां और जड़ी-बूटियां, 18 प्रकार की लताएं तथा 35 प्रकार की घास पाई जाती हैं। ये सभी मिलकर एक ऐसा आवास तैयार करते हैं, जो वन्यजीवों के लिए आदर्श है। संरक्षित क्षेत्र में पक्षियों की 230 से अधिक प्रजातियां निवास करती हैं, जिनमें हंसारस, एग्रेट्स, स्टोर्क्स, बाज, गिद्ध, तीतर और बटेर, कबूतर, तोते, कोयल, उल्लू, फ्लाईकैचर्स और मैना जैसे पक्षी शामिल हैं।

इन सबके बीच एक ऐसा पक्षी है, जो दुर्लभता की मिसाल है। उसे सैंड ग्राउस कहते हैं। यह पक्षी सूखे और गर्म क्षेत्रों में पाया जाता है, जहां पानी की कमी जीवन की सबसे बड़ी चुनौती होती है। सैंड ग्राउस का जीवन संघर्षपूर्ण है। यह मुख्य रूप

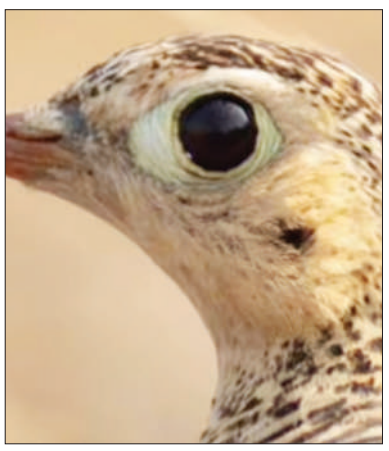

से बीज, दाने और घास के तिनकों पर निर्भर रहता है, लेकिन अपने बच्चों को पालने के लिए यह असंभव को संभव कर दिखाता है।

इस पक्षी को जब पानी की जरूरत पड़ती है, तो यह पक्षी 30-40 मील दूर स्थित जल स्रोत तक उड़ान भरता है। वहां पहुंचकर अपने शरीर को बार-बार पानी में डुबोता है, जिससे उसके पंख स्पंज की तरह पानी सोख लेते हैं। जब उसे यकीन हो जाता है कि पर्याप्त पानी इकट्ठा हो गया, तब यह वापस घोंसले की ओर लौटता है। बच्चे इन पंखों से ही पानी पीते हैं और बाकी पानी को पक्षी हिलाकर बच्चों पर छिड़क देता है। इससे उन्हें ठंडक मिलती है। यह अनोखी तकनीक इसे दुर्लभ पक्षियों की श्रेणी में रखती है, क्योंकि ऐसे सूखे इलाकों में जीवित रहना और संतान पालना कोई आसान काम नहीं।

नौरादेही टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. एए अंसारी बताते हैं, यह क्षेत्र ड्राई एरिया है और यहां के स्थानीय पक्षी बेहद अनुकूलित हैं। सैंड ग्राउस अपने पंखों के निचले हिस्सों में पानी सोख लेता है, फिर अपने चूजों को पंखों से पानी पिलाता है और उन्हें ठंडा रखता है। हमारे यहां सैंड ग्राउस और पेंटेड सैंड ग्राउस दोनों प्रजातियां पाई जाती हैं। आमतौर पर यह बीज, दाने और घास के तिनके खाता है। आगे कहते हैं कि यह पक्षी खुले और बड़े मैदानों में अधिक पाया जाता है, लेकिन इनकी प्रजाति पर संकट मंडरा रहा है क्योंकि उनके प्राकृतिक आवास लगातार नष्ट हो रहे हैं।

हिमाचल की वित्तीय स्थिति पर भाजपा-कांग्रेस में नोकझोंक

» सीएम सुक्खू और नेता प्रतिपक्ष में वार-पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश में वित्तीय स्थिति को लेकर मुख्यमंत्री सुक्खू और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के बीच तीखी नोकझोंक हुई। मामले ने उस समय तूल पकड़ा जब सीएम ने संसाधन जुटाने को लेकर हिमाचल की आर्थिक स्थिति के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने जाते-जाते स्कूल खोलने की घोषणाएं कर दीं। होटल मालिकों को बिजली सब्सिडी दे दी। जहां जरूरत नहीं, वहां भी अस्पताल खोल दिए। जाते-जाते 5000 करोड़ रुपये का नुकसान कर दिया।

भाजपा विधायक दल ने जब कहा कि आप दो साल बाद सत्ता से बाहर हो जाएंगे। इस पर सीएम सुक्खू ने सदन में दमदार तरीके से कहा कि सदन से बाहर आते-जाते रहते हैं। 20-25 साल से यही चल रहा है। सत्र के समापन पर मुख्यमंत्री ने इस बात को दोहराया कि हिमाचल भयंकर आपदा से गुजर रहा है। विपक्ष केंद्र से आपदा के लिए पैकेज लाने में सहयोग करे।

आपदा प्रभावितों के मुआवजे के लिए संसाधनों में कटौती भी करेंगे

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार आपदा प्रभावितों के साथ मजबूती से खड़ी है। प्रभावितों को उचित मुआवजा देने के लिए संसाधनों में कटौती करने से पीछे नहीं हटेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य आपदा प्रभावित घोषित करने का फैसला कब से लागू होगा, इसे लेकर नुकसान का अध्ययन किया जा रहा है। प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायकों ने बीते दिनों हुई प्राकृतिक आपदाओं से हुए नुकसान की भरपाई के लिए नए प्रावधानों के तहत मुआवजे की मांग उठाई। विधायक कुलदीप राठौर ने आपदा के दौरान क्षतिग्रस्त सेब बगीचों को राहत पैकेज में शामिल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ऊपरी शिमला के अधिकांश बागवानों की आर्थिकी सेब पर निर्भर है और बगीचों को हुआ नुकसान उनकी आजीविका को प्रभावित कर रहा है। विधायक संजय अवस्थी ने कहा कि विपक्ष को केवल सदन में हंगामा करने के बजाय केंद्र सरकार के समक्ष भी राज्य की समस्याएं उठानी चाहिए।

सरकार की गलत नीतियों के कारण है संकट : जयराम

इस पर नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर भड़क गए। कहा कि आर्थिक संकट आप हमारे पर नहीं थोप सकते। यह आपकी गलत नीतियों के कारण हुआ है। विधानसभा चुनाव से पहले ही केंद्र ने तय किया था कि आने वाले पांच साल तक जीएसटी मुआवजा नहीं मिलेगा। यह काउंसिल की बैठक में तय हुआ था। यह सभी राज्यों के लिए हुआ है। कांग्रेस ने जनता को झूठी गारंटियां दीं। अब यह गारंटी पूरी नहीं हो रही है तो इसको भी हमारे ऊपर थोपा जा रहा है। जयराम ने कहा कि तीन साल में आपने क्या किया। इस पर मुख्यमंत्री बोले, अभी मैं भूमिका बांध रहा हूं। भाजपा ने सत्ता में रहते हुए जनता की संपदा को लुटा दिया। हम इसे लुटने नहीं देंगे। केंद्र से पैसा न आने पर भी हम अपने संसाधन खुद तलाश रहे हैं।

अपशब्द कहने वाले का कांग्रेस पार्टी से कोई लेना-देना नहीं : पायलट

» बोले- इस मुद्दे पर बहुत अधिक राजनीति नहीं होनी चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने कहा कि प्रधानमंत्री की मां के लिए कथित तौर पर अपशब्द का इस्तेमाल करने वाले का कांग्रेस पार्टी से कोई लेना-देना नहीं है। पायलट ने साथ ही कहा कि अगर किसी ने ऐसा किया है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए लेकिन इस मुद्दे पर बहुत अधिक राजनीति नहीं होनी चाहिए। पायलट ने कहा, '' हम लोग उस कांग्रेस पार्टी से हैं जो 130 साल से संस्कार, संयम और अनुशासन वाली पार्टी है। उसका हमारी पार्टी से कोई लेना देना नहीं है।

अब किसी के मंच पर कोई चढ़ जाए और (अपशब्द) बोले दे तो उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। यलट ने कहा कि विकास के मुद्दे पर बात होनी चाहिए। पायलट ने कहा कि अपशब्दों के इस्तेमाल पर सबकी एक राय है कि बुजुर्ग और माता-पिता हम सबके लिए सम्मानित हैं और सब उनकी इज्जत करते हैं, इस पर बहुत ज्यादा राजनीति नहीं करनी चाहिए। दरअसल बिहार में कांग्रेस की 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान दरभंगा में एक स्थानीय कांग्रेस नेता के मंच से 25 वर्षीय युवक ने अभद्र का उपयोग किया था। युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। कांग्रेस और राजद नेताओं ने कहा है कि घटना में उनकी कोई भूमिका नहीं है।

सीएम भजनलाल की विदाई निश्चित

» अग्निवीर योजना को लेकर आएलपी करेगी बड़ा आंदोलन

» हनुमान बेनीवाल ने कांग्रेस-भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जोधपुर। राजस्थान के नेता हनुमन बेनीवाल ने अग्निवीर योजना को लेकर भाजपा पर जोरदार हमला किया है। इस दौरान उन्होंने एसआई भर्ती रद्द होने सहित कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि सड़क पर संघर्ष के बाद ही सब इंस्पेक्टर भर्ती रद्द हुई। जबकि केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और मंत्री जोगाराम पटेल लगातार कहते रहे कि भर्ती रद्द नहीं हुई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के बयान के बाद भी इन नेताओं ने सच्चाई स्वीकार नहीं की। उन्होंने कहा कि इसी तरह चलता रहा तो भजनलाल की विदाई निश्चित है।

बेनीवाल ने कहा कि राजस्थान में वास्तविक संघर्ष सिर्फ आरएलपी कर रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कांग्रेस और बीजेपी के बीच बारी-बारी से सत्ता का खेल अब राजस्थान में नहीं चलेगा। अग्निवीर को लेकर दिल्ली में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। किरोड़ीलाल मीणा के साथ हुए विवाद को लेकर उन्होंने रात गई, बात गई कहकर बात को खत्म कर दिया। उन्होंने अशोक गहलोत और सचिन पायलट पर आरोप लगाया कि दोनों ने ईडी और सीबीआई के डर से भजनलाल को चार सीटें गिफ्ट कर दीं। बेनीवाल ने कहा कि 2028 का चुनावी रण अलग होगा और उस समय आरएलपी के साथ अन्य पार्टियां भी आएंगी।

प्राइवेट कंपनी को ठेका फिर भी मिला धोखा

» एलएसए नहीं कर पा रहा डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन

» असमिया घरों से कूड़ा लेकर आ रहे कलेक्शन सेंटर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ द्वारा स्मार्ट सिटी के तहत शहर में साफ - सफाई से लेकर डोर टू डोर कूड़ा कलेक्ट करने की जिम्मेदारी निजी कंपनियों को सौंपी गई है। आम जनता को सुविधा देने के लिए अब नगर निगम टैक्स में सुविधा शुल्क जोड़ रहा है जिससे जनता की जेब पर बोझ न पड़े, लेकिन लखनऊ स्वच्छ अभियान यानी रूक कंपनी जो शहर की 5 जोन में 2023 से साफ - सफाई और डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन का काम अभी तक पूरी तरह से संभाल नहीं पाई है।

निजी कंपनी की जिम्मेदारी को असमिया पूरा कर रहे हैं क्योंकि आज भी घरों से कूड़ा उठाना हो या फिर सड़क से , असमिया आज भी अपने ठेलों पर कूड़ा डंपिंग स्टेशन तक लेकर आ रहे हैं। दयाल पैराडाइज स्थित डंपिंग स्टेशन पर लगभग दो दर्जन से ज़्यादा कूड़े की ठिलिया लेकर खड़े आसामिया से पूछने पर पता चला कि यह लोग इको ग्रीन कंपनी आने से पहले से घरों से कूड़ा लेते हैं और इसके एवज में प्रति घर से 50 से 100 रूपए प्रति माह सुविधा शुल्क लिया जाता है।

> लखनऊ स्वच्छ अभियान कंपनी के रीजनल हेड अभय रंजन ने बताया कि निजी सफाई कर्मियों के द्वारा उठाया जा रहा कूड़ा सड़क के किनारे या इधर उधर न फेंका इसलिए हम अपनी कलेक्शन सेंटर पर इनसे कूड़ा ले लेते हैं।

जनता की जेब पर दोहरी मार

लखनऊ नगर निगम ने जहां व्यवस्था को सुधारने के लिए डोर टू डोर कलेक्शन के तहत जनता की जेब पर बोझ न पड़े इसका ख्याल रखते हुए अब हाउस टैक्स में ही यूजर चार्ज ले रहा है। जिसमें साफ सफाई या घर से कूड़ा उठाने वालों को अपनी जेब से आम जनता भुगतान न करें लेकिन शहर में अब जनता दोगुना भुगतान कर रही है। एक तरफ तो नगर निगम यूजर चार्ज टैक्स ले रहा है तो वहीं जनता से असमिया भी प्रति घर से 50 से 100 रुपए तक वसूल रहे हैं।

पहले वनडे में इंग्लैंड की करारी हार

» 131 रन पर सिमटी पारी द. अफ्रीका 175 गेंद शेष रहते जीता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लीड्स। दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में जोरदार जीत दर्ज की। मेजबान इंग्लैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए लीड्स के हेडिंग्ले में सिर्फ 131 रन पर सिमट गई और दक्षिण अफ्रीका ने यह लक्ष्य बेहद आसानी से हासिल कर लिया। कप्तान एडेन मार्करम की तूफानी पारी ने मैच को एकतरफा बना दिया।

इससे पहले वियान मुल्डर और केशव महाराज की घातक गेंदबाजी ने इंग्लैंड को बड़ा स्कोर बनाने से रोका था। महाराज को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की वनडे सीरीज का शानदार आगाज किया है और 1-0 की बढ़त बना ली है। अगला मुकाबला चार सितंबर को लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स के मैदान पर खेला जाएगा। इंग्लैंड की शुरुआत से ही विकेट गिरते रहे और टीम कभी मैच में टिक नहीं पाई। विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ ने सबसे ज्यादा 54 रन (48 गेंद, 10 चौके) बनाए। बाकी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके और पूरी टीम सिर्फ 24.3 ओवर में 131 रन पर सिमट गई। गेंदबाजी की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 5.3 ओवर में 22 रन देकर चार विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने आक्रामक बल्लेबाजी की। कप्तान एडेन मार्करम ने 55 गेंदों में 86 रन ठोक डाले, उनके साथ विकेटकीपर रेयन रिकेल्टन ने 59 गेंदों पर नाबाद 31 रन बनाए और पारी संभाली। जिसके चलते दक्षिण अफ्रीका ने 20.5 ओवर में 137/3 बनाकर सात विकेट से जीत दर्ज की।

एशिया कप में टाइटल प्रायोजक के बिना हिस्सा लेगा भारत

नई दिल्ली। फैंटेसी स्पोर्ट्स की दिग्गज कंपनी ड्रीम 11 के लीड प्रायोजक से हटने के बाद भारतीय टीम नौ सितंबर से होने वाले एशिया कप में बिना टाइटल प्रायोजक के हिस्सा ले सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, इस बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट में जब भारत खेलने उतरेगा तो उसकी जर्सी पर ड्रीम 11 का नाम नहीं होगा। बीसीसीआई ने मंगलवार को टीम के टाइटल प्रायोजन अधिकारों के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं। आईईओआई खरीदने की आखिरी तारीख 12 सितंबर है और बोली के दस्तावेज जमा करने की आखिरी तारीख 16 सितंबर है, जबकि एशिया कप 28 सितंबर को समाप्त हो रहा है।

मराठा आरक्षण पर नहीं थमी रार, सहयोगियों के निशाने पर महायुति सरकार

देवेंद्र फडणवीस की कैबिनेट बैठक से पहले गुस्से में निकले महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण पर जरांगे का आंदोलन भले ही समाप्त हो गया हों पर वहां नई सियासी रार मच गई है। राज्य उप-मुख्यमंत्री अजित पवार की पार्टी एनसीपी के नेता और मंत्री छगन भुजबल बुधवार (3 सितंबर) को कैबिनेट मीटिंग से पहले ही निकल गए।

सूत्रों के मुताबिक, मराठा आरक्षण के मुद्दे पर छगन भुजबल नाराज हैं। कैबिनेट मीटिंग से पहले छगन भुजबल गुस्से में हैं। भुजबल बांद्रा के (शिक्षा संस्थान, जिसमें ट्रस्टी हैं) रवाना हुए। इससे पहले मंगलवार (2 सितंबर) को भुजबल ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर मराठाओं को आरक्षण देने के लिए ओबीसी समुदायों के मौजूदा आरक्षण में कोई छेड़छाड़ की गई तो भारी विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। भुजबल ने सोमवार (एक सितंबर) को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के प्रमुख नेताओं के साथ बैठक में आरक्षण सुरक्षित रखने की रूपरेखा पर चर्चा की। मराठाओं को ओबीसी का दर्जा दिए जाने का विरोध करते हुए वरिष्ठ एनसीपी नेता छगन भुजबल ने दावा किया कि महाराष्ट्र में 374 समुदायों के लिए केवल 17 प्रतिशत आरक्षण उपलब्ध है. ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) कोटे के लाभार्थियों में 8 प्रतिशत लोग मराठा समुदाय से हैं।उन्होंने कहा, जरांगे के नेतृत्व में आंदोलन अपनी दिशा खो चुका है. यह दावा करना कि मराठा और कुनबी एक ही हैं, मूर्खता है. हाई कोर्ट ने भी ऐसा ही कहा था। यह बयान उन्होंने मनोज जरांगे पर कटाक्ष करते हुए दिया. जरांगे मराठाओं को कुनबी का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं। छगन भुजबल ने कहा कि वह देवेंद्र फडणवीस सरकार की ओर से जारी उस सरकारी आदेश (जीआर) का अध्ययन कर रहे हैं, जिसके तहत जिन मराठा समुदाय के लोगों के पास संबंधित दस्तावेज हैं, उन्हें कुनबी जाति के प्रमाणपत्र दिए जा सकते हैं।

मराठों को कुनबी प्रमाणपत्र देने संबंधी प्रस्ताव का अध्ययन करने के बाद अपना रुख स्पष्ट करूंगा : छगन भुजबल

महाराष्ट्र के मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता छगन नो कहा कि वह देवेंद्र फडणवीस नीत सरकार द्वारा जारी उसप्रस्ताव का अध्ययन कर रहे है जिसमें मराठा समुदाय के उन लोगों को कुनबी जाति प्रमाणपत्र प्रदान करने का प्रावधान है जिनके पास संबद्ध दस्तावेज हैं। भुजबल ओबीसी कोटे में मराठों को आरक्षण दिए जाने का विरोध करते रहे हैं। नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, '' मैं और मेरी टीम प्रस्ताव की गहन पड़ताल कर रहे हैं और कानूनी विशेषज्ञों से भी विचार-विमर्श कर रहे हैं। विस्तृत अध्ययन के बाद मैं इस मुद्दे पर अपने विचार व्यक्त करूंगा।

गजट पर एक आदेश जारी

सरकार के दावों के मुताबिक, कुनबी दर्जा मिलने से मराठा समुदाय के सदस्य ओबीसी आरक्षण का दावा करने के पात्र हो जाएंगे, जो जरांगे की प्रमुख मांग है। महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार देर शाम को हैदराबाद गजट पर एक आदेश जारी किया और उन मराठों को कुनबी जाति प्रमाणपत्र जारी करने में मदद के लिए एक समिति के गठन की घोषणा की जो खुद को कुनबी के रूप में मान्यता देने वाले दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करने में सक्षम हों। सरकारी आदेश (जीआर) में कहा गया, '' हैदराबाद गजट में निहित ऐतिहासिक संदर्भों के अनुसार दस्तावेजों को सत्यापित करने और कुनबी जाति प्रमाणपत्र के लिए मराठा समुदाय के व्यक्तियों की पात्रता स्थापित करने के लिए एक समर्पित जांच प्रक्रिया अपनायी जाएगी. समिति यह सुनिश्चित करेगी कि प्रत्येक दावे का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से मूल्यांकन किया जाए।

सरकार ने मनोज जरांगे की मांगें मानी

बता दें कि मनोज जरांगे 29 अगस्त को मुंबई के आजाद मैदान पहुंचे और ओबीसी श्रेणी के तहत मराठों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठ गए. जरांगे के साथ हजारों की संख्या में भी मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मुंबई पहुंचे. अव्यवस्था को लेकर बॉम्बे हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान हाई कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाई। इस बीच मंगलवार को सरकार के प्रतिनिधियों ने मनोज जरांगे से मुलाकात की और कहा कि सरकार उनकी मांगें मानने को तैयार है और सरकारी आदेश जारी किए जा रहे हैं। इसके बाद जरांगे ने 2 सितंबर को अनशन खत्म कर दिया।

रेवंत रेड्डी की हमारे परिवार को बर्बाद करने की योजना : कविता

- निलंबन के एक दिन बाद तेलंगाना की नेता ने बीआरएस से दिया इस्तीफा
- पिता केसीआर और भाई केटीआर को दी सलाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना की नेता के कविता ने पार्टी से निलंबित होने के एक दिन बाद बुधवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कथित तौर पर अपने भाई केटी रामा राव को चचेरे भाइयों हरीश और संतोष राव के खिलाफ चेतावनी दी।

कविता ने केटीआर से चचेरे भाइयों पर विश्वास न करने का आग्रह किया और यह भी आरोप लगाया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) चचेरे भाइयों द्वारा किए गए भ्रष्टाचार के कारण उनके पिता के चंद्रशेखर की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी और हरीश राव ने कथित तौर पर एक साथ हवाई यात्रा करते हुए हमारे परिवार को बर्बाद करने की योजना बनाई, रेवंत रेड्डी को इसका जवाब देना चाहिए। रेवंत रेड्डी ने केवल मेरे परिवार के सदस्यों, केटीआर और केसीआर के खिलाफ मामला दर्ज किया, लेकिन हरीश राव के खिलाफ नहीं। जब कालेश्वरम परियोजना शुरू हुई, तब हरीश राव सिंचाई मंत्री थे, और रेवंत रेड्डी ने उनके खिलाफ कुछ नहीं कहा। हरीश राव और संतोष राव कथित तौर पर हमारे परिवार और पार्टी को बर्बाद करने की योजना बना रहे हैं। हरीश राव परेशान नहीं थे, बल्कि एक बबल शूटर थे। उन्होंने कथित तौर पर विधानसभा चुनावों में केसीआर और केटीआर के खिलाफ काम करने के लिए पैसे दिए थे।

मेरे निलंबन के बाद बीआरएस की महिला विधायक एकजुट हुईं

उन्होंने कहा कि मैंने हरीश राव और संतोष के बारे में बात की और कहा कि जब उनके घरों में सोना होता है तो सुनहरा तेलंगाना नहीं होता। मैंने पहले अपने भाई केटीआर से मेरे खिलाफ साजिश रचने वालों के बारे में बात की थी और उनसे कार्रवाई करने का अनुरोध किया था। मुझे खुशी है कि मेरे निलंबन के बाद बीआरएस की महिला विधायक एकजुट हुईं, जिसकी मैंने हमेशा कल्पना की थी। उन्होंने आगे कहा कि मैं अपने पिता से अनुरोध कर रही हूँ कि वे अपने आस-पास के पार्टी नेताओं की जाँच करें। मैंने साफ़-साफ़ कहा और उनसे मेरी बातों पर विचार करने का अनुरोध किया।

के कविता ने कहा कि कल दोपहर, मैंने मीडिया में बीआरएस पार्टी द्वारा मुझे निलंबित किए जाने की खबरें देखीं। तिहाड़ जेल से रिहा होने के बाद, मैंने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और बीआरएस का झंडा थामे कांग्रेस सरकार के खिलाफ पिछड़ा वर्ग आरक्षण और अन्य पहलों के लिए काम किया। मुझे समझ नहीं आ रहा कि ये गतिविधियाँ पार्टी विरोधी गतिविधियाँ कैसे मानी जाती हैं। कुछ पार्टी सदस्यों ने टिप्पणियाँ कीं, और मैंने उनका जवाब दिया।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, कार-ट्रक की टक्कर में 3 की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बाजार शुकुल क्षेत्र से गुजरते समय एक अनियंत्रित कार आगे चल रहे एक ट्रक से टकरा गई। इस भीषण टक्कर में कार में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसा इतना भयानक था कि कार पूरी तरह से चकनाचूर हो गई थी और तीनों शव अंदर ही फँस गए थे। सूचना मिलने पर थाना अध्यक्ष अवनीश कुमार अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुँचे। पुलिस ने करीब दो घंटे तक क्रेन की मदद से मशक्कत कर शवों को बाहर निकाला। इसके बाद, तीनों शवों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शुकुल बाजार भेजा गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान कानपुर नगर के अर्पित विश्वकर्मा, लखनऊ के विमल पांडेय और एक अन्य व्यक्ति विनय दुबे के रूप में हुई है, जिनका पता अभी तक अज्ञात है। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को इस घटना की सूचना दे दी है।

मोदी की संसदीय सीट पर वोट चोरी का पर्दाफाश करेंगे राहुल : अजय राय

- वाराणसी में फटेगा राहुल गांधी का हाइड्रोजन बम!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अजय राय ने दावा किया कि राहुल गांधी का हाइड्रोजन बम वाराणसी में फटेगा। उन्होंने संकेत दिया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संसदीय सीट पर कथित वोट चोरी का पर्दाफाश कर सकते हैं।

राय ने संवाददाताओं से कहा कि जैसा कि हमारे नेता (राहुल गांधी) ने कल कहा था, बेंगलुरु की महादेवपुरा विधानसभा सीट पर उनके एटम बम के खुलासे के बाद, अब हम हाइड्रोजन बम फोड़ेंगे। सबसे शक्तिशाली बम कौन सा है? हाइड्रोजन बम। ऐसा बम सबसे महत्वपूर्ण जगह पर फटना चाहिए। अब यह स्पष्ट है कि बनारस (वाराणसी) में दोपहर 1 बजे (4 जून को - लोकसभा चुनाव की मतगणना के दिन) के बाद क्या हुआ। पीएम मोदी ने जीतने के लिए धोखा दिया। हालाँकि, अजय राय ने स्पष्ट किया कि उन्होंने इस मामले पर गांधी से बात नहीं की है और ये उनके अपने विचार हैं। राय ने आगे कहा कि यह स्पष्ट है, है ना, कि वह (गांधी) किस ओर इशारा कर रहे थे। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष गांधी ने सोमवार को पटना में एक विशाल रैली में हाइड्रोजन बम वाली टिप्पणी की थी। यह रैली चुनावी राज्य बिहार के उनके 16 दिवसीय राज्यव्यापी दौरे के समापन का प्रतीक थी। अपने पूरे दौरे के दौरान, उन्होंने चुनाव आयोग और भाजपा पर वोट चोरी का आरोप दोहराया।

विधेयकों की विधायी क्षमता, राज्यपाल नहीं जांच सकते : सिब्बल

- सुप्रीम कोर्ट में बंगाल सरकार की दलील
- राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए समय-सीमा तय करने के मामले पर सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट द्वारा राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए समय-सीमा तय करने के मामले पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को भी सुनवाई जारी रही। सुनवाई के दौरान पश्चिम बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि विधेयकों की विधायी क्षमता की जांच राज्यपाल नहीं कर सकते।

बंगाल सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने ये भी कहा कि आजादी के बाद से शायद ही कोई ऐसा उदाहरण हो जहां राष्ट्रपति ने संसद द्वारा पारित किसी विधेयक को जनता की इच्छा के कारण रोका हो। राष्ट्रपति संदर्भ पर सुनवाई के सातवें दिन मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ के सामने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि किसी विधेयक की विधायी क्षमता का परीक्षण अदालतों में किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, किसी कानून को नागरिक या कोई अन्य व्यक्ति अदालत में चुनौती दे सकता है। राज्यपाल यह कहें कि मैं विधेयकों को मंजूरी नहीं दे सकता और इसे रोके रखता हूं, तो ये अत्यंत दुर्लभ और विरलतम मामला है। पीठ में मुख्य न्यायाधीश जस्टिस गवई के अलावा जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर भी शामिल हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।